जल निधि का सृजन, संग आए जन-जन

WATER

बफर जोन वनमण्डल

कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला (म.प्र.)

An Initiative Of Water Conservation

In The Buffer Division Kanha National Park, Mandla (MP)

"No Water, No Life. No Blue, No Green."

This year the average rainfall in Mandla was about twenty percent below normal. Keeping in mind this fact and usual scarcity of water for local communities and wild life, in the remote forest areas of buffer division of Kanha Tiger reserve, We along with the members of Eco development committees started a program of Water Conservation & Awareness "ty fuf/k dk l`tu] lax vk;s tu tu".

Along with the local forest dwelling communities, we explored the situation and the appropriate responses for water conservation elements, issues and design. In this program,

- We together with EDC members survey the area and finalize the conservation structures that can be made, depending upon water flow and availability of material.

- Plan elaborately about the human resources as well as material resources requirement.

- The resources were allocated to concerned forest guard depending on the site.
- This exercise was done at every range separately.
- On the pre planned date, the Joint forest committee's members and staff of forest department sat together. The water conservation audio- visual were shown and discussions were made for creating awareness of water conservation and cleaning of water bodies among staff and the local communities.
- Then the forest staff and the members went to the specific sites to make water structures and the cleaning of the water bodies.
- The structures that were made mainly consist of small dam, Bori bandhan (using earth or sand filled gunny bags), and other locally innovative traditional water conservation structures to create a barrier to the flow of water and to impound water against this barrier **as will be illustrated in the report**. The use of such structures is to provide water for local need of the communities and of the wild life.

This was done by the voluntarily free contribution of labor and resources of the communities and forest department staff of the buffer division of the Kanha tiger reserve.

Till now we have made around 65 **such conservation structures** and have done extensively the water awareness program in the division and cleaning of water bodies.

We know that all water conservation structures that we have created will not be able to sustain the flow of water throughout the summer but we have surely able to increase their the flow for longer duration and many of them will sustain the flow thoughout the season to meet out the need of local communities and of the wild life of the region.

BEFORE

AFTER

The spread of Water conservation awareness regarding the significance of water, sharing of knowledge and expertise in making the conservation structure at local level using locally available material by members of EDC and forest staff, and cleaning of water bodies will going to be very fruitful in the future.

We would like to thank our field director Sri J.S. Chauhan, IFS and joint director Sri OP Tiwari, IFS for their continuous support and guidance.

This initiative would not have rolled up without active participation, planning and hard work of members of Eco Development committees, staff of the buffer division.

The Assistant directors Sri RB Siddha, Sri AK Bhoyar & Range officers Ms Anshu Soni, Sri Shailendra Uike, Sr Ashok Pandit, Mr Devesh Kharadi, Sri Mukesh Jamor and Sri Suresh kushare and Mr sri Rajulakar provided able leadership and guidance in this endeavor at the field level.

Its great satisfying feeling for all of us to materialize this vision with active public – public participation. **The work is still on and will evolve with the time.**

Ripudaman Singh, IFS

Deputy Director, Buffer

Kanha Tiger Reserve, Mandla

cQj tksu oue.My] dkUgk Vk;xj fjtoZ] e.Myk

1- oue.My ds lac/k esa laf{kIr Vhi :–

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के बढ़ते वन्यप्राणियों को सुरक्षा एवं नैसर्गिक पूरक आवास को सुनिश्चित करने, साथ ही स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों के लाभोन्मुखी पर्यावर्णीय, पारिस्थितकीय विकास कार्यो हेतु कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के आस–पास के बफ़र ज़ोन क्षेत्रों को एकीकृत प्रबंधन एवं नियंत्रण में रखते हुए बफ़र ज़ोन वनमण्डल, कान्हा टायगर रिज़र्व, मण्डला का गठन किया गया है।

2. oue.My dk HkkSxksfyd {ks= dk fooj.k fuEukuqlkj gS %&

District	Area Description (Ha.)						Total Area
	Reserved Forest		Orange Area (Suitable)		Orange Area (Unsuitable)	Revenue	
	Area	No. of Forest Blocks	Area	No. of Forest Blocks			
Mandla	30826.570	41	701.930	58	555.500	20748.590	52832.590
Balaghat	27729.890	77	0.000	-	0.000	32869.480	60599.370
G. Total:	58556.460	118	701.930	58	555.500	53618.070	113431.960

3- oue.My esa xfBr bZdks fodkl lfefr;ksa fuEukuqlkj gS %&

lfefr dk uke	fl>kjk	[kfV;k	[kkik	leukiqj	x<h	ekrhukyk	;ksx
ईको विकास समितियां	25	12	18	15	46	26	142

t y l j{k.k l s gkus okys YkkHk

1. ग्रामीणों के दैनिक क्रियाकलापों हेतु जल की आवश्यकता की पूर्ति होगी।
2. वन्यप्राणियों हेतु पेयजल उपलब्ध रहेगा।
3. पानी एकत्र करने से आस–पास के क्षेत्र में नमी होने से घास का क्षेत्र निर्मित होता है जिससे शाकाहारी वन्यप्राणियों के लिए भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी।
4. पानी के संग्रहण क्षेत्र में सुसुप्त अवस्था में पड़े औषधीय पौधों के बीजों का अंकुरण हो सकेगा।
5. ग्रामीणों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध होगा।
6. पालतू पशुओं के पीने हेतु पानी उपलब्ध होगा।
7. भूमि का जल स्तर बढ़ेगा।
8. संग्रहण क्षेत्र के आस–पास निर्मित कुंओं एवं हेण्डपम्पों में पानी का स्तर बढ़ेगा।
9. वनक्षेत्र में पेयजल उपलब्ध होने से वन्यप्राणी का गांव में प्रवेश नहीं होगा।
10. वन्यप्राणियों को वनक्षेत्र में पेयजल उपलब्ध होने से गांव के आवारा कुत्तों द्वारा किये जाने वाले शिकार की घटनाओं में कमी आवेगी।

d|nn>kMh

यह जलस्त्रोत ग्राम मांझीपुर एवं जोगीसोंढ़ा के मध्य में कक्ष क्र. 1442 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 24' 11.5" E 80° 42' 08.0" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इस जल स्त्रोत के जल का उपयोग ग्रामीणों द्वारा सिंचाई हेतु किया जाता है एवं वन्यप्राणियों की उपस्थिति गर्मियों में यहां बनी रहती है। इस नाले में एक पुलिया निर्मित है जिसेके नीचे से पानी का रिसाव हो रहा है इसमें काली मिट्टी की पिचिंग कर रिसाव को बद करने एवं पानी रोकने हेतु गेट लगाकर वेस्टबेयर बनाने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dl nkjku Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

dk;l dl mijkr Nk;kfp=

मांझीपुर, जोगीसोंढ़ा

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	ifj{k= x<h
कुद्देझोड़ी, कक्ष क्र. 1442 (मांझीपुर)	श्री सेवकराम मरावी वनरक्षक मांझीपुर श्री भगवन सैयाम श्री अंतराम मरावी श्री महासिंह मरावी श्री पंचमसिंह राजपूत श्री गोविंद कुमरे	श्री पंछीलाल मरकाम वनरक्षक श्री रामकुमार श्री प्रभुलाल यादव श्री रमेश सैयाम श्री मनीराम धुर्वे श्री बालसिंह धुर्वे

pqghMcjk

यह जलस्त्रोत सिझौरा बीट के ग्राम बड़ेटोला में कक्ष क्र. 1462 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 24' 33.0" E 80° 44' 49.5" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यह वारिस में फूट गया है जिससे पानी नहीं रूक पाता है अतः यहां पर बोरी बंधान कर पत्थर पिंचिंग करने से मिट्टी का कटाव बंद होगा एवं पानी को राका जा सकता है।

dk;l iwoZ Nk;kfp=

dk;l ds nkSjku Nk;kfp=

dk;l ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzkeo

बड़ेटोला, ब्लाकटोला

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	lfefr lnL;
चुहीडबरा, कक्ष क्र. 1462 (सिझौरा)	श्रीमति गुनन मरावी वनरक्षक सिझौरा श्री भागवत साहू श्रमिक श्री बसंत पड़वार वनरक्षक श्री मदनसिंह	[kykMh Hkkx 2 शांतिबाई, बुधियाबाई, छम्मीबाई, किन्ताबाई, रमलीबाई, कलारिन, चैतीबाई, श्यामबती, सोहद्री, सनियाबाई, रामबती, रामबती, गौथरबाई सुकरतबाई, शिवकुमारी, नैनसिंह, समरत, संतोष सुकलाल, कुंवरसिंह, सुमेरसिंह, वीरसिंह, अंतराम, गणेश, महेन्द्र, भागवती fl>kjk Hkkx 1 रतियाबाई, रामबती, कृष्णा, बिरिया, रूकमणी, अनीता, शांती, सुकरती, बुधिया, अमरवती

bUnkukyk

यह जलस्त्रोत मांझीपुर एवं सिझौरा बीट के मध्य में ग्राम इन्द्रा एवं खलौड़ी में कक्ष क्र. 1444 एवं 1463 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 23' 51.2" E 80° 44' 09.3" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा सिंचाई की जाती है एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkzo

इन्द्रा, खलौड़ी, चौरंगा

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	ifj{k= ekrhukyk	lfefr lnL; bUnk
इन्द्रानाला, कक्ष क्र. 1444 (मांझीपुर)	श्री सतीश कुमार पटैल वनरक्षक सरही श्री मदनलाल मरकाम श्रमिक	श्री हेमंत कुमार लोमस वनरक्षक	पोहपसिंह (अध्यक्ष इन्द्रा) रतनसिंह, रामप्रसाद, सुत्तीबाई, कलीबाई, सुकलिया, फुलझर, भागवती, हिरिया, रूपेतिन, भागवती, सोमवती, कलियाबाई, सरिता, प्रीति, रामबती, कमलवती, छोटूलाल

Teukghukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम अतरिया के पास बीट चटुआखार के कक्ष क्र. 1437 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 21' 39.8" E 80° 43' 53.4" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इसका मुख्य स्त्रोत जामुन के वृक्ष के नीचे होन के कारण इसका नाम जमनाही नाल पड़ा है। इस जल स्त्रोत के जल का उपयोग ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है अतः इसकी साफ–सफाई करने एवं वेस्टबेयर बनाने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xko

बर्राटोला, अतरिया, चटुआखार, भीमपुरी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	lfefr lnL;
जमनाहीनाला, कक्ष क्र. 1437 (चटुआखार)	श्री धरमलाल गोप अर्दली श्रीमति कलावती परते व.र. श्री फगनसिंह सैयाम श्रमिक श्री विजय यादव श्रमिक श्री दरोगा श्री संतोस सरौंते श्रमिक श्री लखनसिंह	बजारीलाल मरावी, सुखदेवसिंह, सम्पतसिंह, प्रेमलाल, रमेश, दुजियाबाई, कदियाबाई, सेवकली, सुकरती, धनीराम,

Mej f>fj;k

यह जलस्त्रोत ग्राम चटुआखार के पास बीट चटुआखार के कक्ष क्र. 1436 एवं 1437 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 21' 53.6" E 80° 43' 58.0" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इसका मुख्य स्त्रोत डूमर (गूलर) के वृक्ष के नीचे होने के कारण इसका नाम डूमर झिरिया पड़ा है। इस जल स्त्रोत के जल का उपयोग ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है एवं वन्यप्राणियों की उपस्थिति गर्मियों में यहां बनी रहती है। अतः इसकी साफ–सफाई करने, मेढ़ बंधान करने एवं वेस्टबेयर बनाने की आवश्यकता है।

dk;l iio Nk;kfp=

dk;l dl nkjku Nk;kfp=

dk;l dl mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xko

बर्राटोला, अतरिया, चटुआखार, भीमपुरी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	lfefr lnL;
डूमर झिरिया, 1436, 1437 (चटुआखार)	श्री राजकुमार कुलस्ते वनरक्षक मनोहरपुर श्री तानसिंह श्रमिक श्री परसू तेकाम श्रमिक श्री शिवदास भासंत श्रमिक श्री रमनदास श्रमिक श्री गनपत श्रमिक	प्यारेलाल, चैनसिंह, मंतीबाई, तुलसाबाई, हरियोबाई, सबीता, दशरथ, संजू, रमेश

[kjkVkyk ¼>Cck f>fj;k½

यह जलस्त्रोत मांझीपुर बीट के ग्राम इन्द्रा एवं खटोला के मध्य में कक्ष क्र. 1443 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 22' 58.8" E 80° 42' 58.7" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इस जल स्त्रोत के जल का उपयोग ग्रामीणों द्वारा सिंचाई हेतु किया जाता है। इस क्षेत्र के बाकी जलस्त्रोत गर्मियों में सूख जाते हैं इसके कारण वन्यप्राणियों की उपस्थिति गर्मियों में यहां बनी रहती है। इस जलस्त्रोत की साफ–सफाई एवं वेस्टबेयर बनाने की आवश्यकता है।

dk;l iio Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

इन्द्रा, खटोला

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

dk;l d mijkr Nk;kfp=

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	ifj{k= x<h
खैरोटोला, कक्ष क्र. 1443 (मांझीपुर)	श्री उदयसिंह मरावी वनरक्षक कटंगी श्री जगन्नाथ यादव श्रमिक	श्री शिवकुमार धनगर व.र. श्री रामसिंह मरावी श्री राजकुमार धुर्वे श्री सुखलाल धुर्वे श्री दशरथ धुर्वे श्री राजाराम मरकाम श्री रोहित कुमार मरावी

dVxdky ukyk

यह जलस्त्रोत मांझीपुर बीट के ग्राम मांझीपुर में कक्ष क्र. 1443 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 24' 18.5" E 80° 41' 23.4" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। यहां पर पहले से ही स्टापडेम बना हुआ है परंतु रिसाव होने के कारण अधिकांश पानी बहकर निकल जाता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। स्टापडेम के नीचे मेढ़ बंधान कर पानी को रोका जा सकता है एवं इस स्थान पर ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिए कोई अवरोध नहीं होगा।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dk nkjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

मांझीपुर

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	ifj{k= x<h
कटंगकोल नाला, 1442 (मांझीपुर)	श्री मनुआ प्रसाद कार्तिकेय प.स. मगधा श्री भगवन श्रमिक	श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक बुधसिंह, भागचंद, लालमन, महिपाल, छोटू, बाबूलाल, नोतमदास, गरीबदास

cjkgh ukyk

यह जलस्त्रोत मांझीपुर बीट के ग्राम इन्द्रा में कक्ष क्र. 1444 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 23' 51.3" E 80° 44' 09.4" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा सिंचाई की जाती है मवेशी एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान, बोल्डर पिंचिंग एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

इन्द्रा

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशीयों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चुकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk	ifj{k= ekrhukyk	lfefr lnL;
बराही नाला, कक्ष क्र. 1444 (मांझीपुर)	श्री राममनोहर चौबे प.स. सिझौरा श्री दशरथ अयाम श्रमिक	श्री सतीश सरौंते वनरक्षक एवं 6 श्रमिक	रामप्रसाद, रतन, सुत्तीबाई, कलीबाई, सुकलियाबाई, फुलझर, भागवती, हिरिया, रूपेतिन, भागवतीबाई, सोमतीबाई, कलियाबाई, सरिता, प्रीती, रामबती, कमलबती

tkef>fj;k , ¼ty L=kr½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम vkexgu में कक्ष क्रमांक 827 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 19' 57.0" E 80^{0} 52' 25.2"** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dk mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

vkexgu] vrjpqgk] ,oa f[kjlkMh] xkjmej

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
जामझिरिया ए (जल स्त्रोत)	श्री सी. एल. केवट प.स. पाण्डुतला श्री अवधे ा प्रतापसिह झारिया व.र.श्री नंदकि ाोर श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

tkef>fj;k ch ¼ty L=ksr½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम vkexgu में कक्ष क्रमांक 827 में स्थित है, जिसकी जी. पी. एस. रीडिंग N **22^0 19’ 56.7” E 80^0 52’ 26.3”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iwoZ Nk;kfp=

dk;l ds nkSjku Nk;kfp=

dk;l ds mijkar Nk;kfp=

yk,HkkfUor xzke

vkexgu] vrjpqgk] ,o f[kjlkMh] xkjmej]

LFky dk uke	ifj{ks= x<h cQj tksu
जामझिरिया बी (जल स्त्रोत)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे ा प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री नंदकि ाोर श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

ck?k ihMk ¼ty L=ksr½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम vkexgu में कक्ष क्रमांक 827 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 20' 05.7" E 80^{0} 52' 35.7"** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dk mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

vkexgu] vrjpqgk] ,oa f[kjlkMh] xkjmej

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tksu
ck?k ihMk ¼ty L=ksr½	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे ा प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री छोटूदास श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

>ukcgjk ¼>ukcgjkukyk½

यह जलस्त्रोत vj.Mh बीट के ग्राम vxUrjk में कक्ष क्रमांक 880 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 17’ 18.6” E 80^0 46’ 48.3”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

vxUrjk

dVxVksyk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
झेनाबेहरा (झेनाबेहरा नाला)	श्री बी. एम. ि ावं ी प. स. गढी श्री हरिलाल धुर्वे वनरक्षक श्री रमे ा यादव श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

tYnkckj ¼?kq?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत ijlkeÅ बीट के ग्राम vrjpqgk में कक्ष क्रमांक 872 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22⁰ 18’ 01.1” E 80⁰ 50’ 59.6 ”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

vrjpqgk
eq[;.Mk jktLo

LFky dk uke	ifj{k= x<+h cQj tksu
जल्दाबोर (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक श्री नौतमदास श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाॅ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

dk;ykjokj ¼?k?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत ijlkeÅ बीट के ग्राम vrjpgk में कक्ष क्रमांक 843 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 18’ 12.2” E 80^0 51’ 31.4”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dk nkjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao %

vrjpgk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tksu
कोयलारवारे (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक श्री प्रेमसिह कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुँकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

xkMknku ¼?k?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत ijlkeÅ बीट के ग्राम vrjpqgk में कक्ष क्रमांक 842 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 18' 22.2" E 80^0 51' 36.5"** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke %

vrjpqgk

LFkky dk uke	ifj{ks= x<h cQj tku
गाडादान (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक श्री सोनूलाल यादव कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

dk;ykjokj ¼?kq?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत ijlkeÅ बीट के ग्राम vrjpqgk में कक्ष क्रमांक 843 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 18’ 12.2” E 80^0 51’ 31.4”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

vrjpqgk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
कोयलारवारे (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक श्री गरीबदास कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुँकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

vkoyk ?kks?kjk ¼?kq?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत f[kjlkMh बीट के ग्राम ckt?kqUnh में कक्ष क्रमांक 831 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 19' 00.4 " E 80^0 53' 09.8 "** है। इस नाला में वर्श भर पानी रहता है। यहॉ पर पहले से ही स्टापडेम बना हुआ है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dk mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

ckt?kqUnh

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
ऑवला घोघरा (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री वि ो वर झारिया वनरक्षक श्री डीलनसिह कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ियों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चॅुकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

lsghekMk ¼?kq?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत f[kjlkMh बीट के ग्राम ckt?kqUnh में कक्ष क्रमांक 831 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 19’ 04.5” E 80^0 53’ 03.3 ”** है। इस नाला में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

f[kjlkMh ,oa ckt?kqUnh

LFky dk uke	ifj{ks= x<h cQj tksu
सेहीमाडा (घुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री वि ो वर झारिया वनरक्षक श्री डबलूसिह कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ियों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

lkeks?kkV ¼tkeikuh ukyk½

यह जलस्त्रोत gVVk बीट के ग्राम gVVk में कक्ष क्रमांक 822 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 21' 02.1" E 80^0 51' 29.8"** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dh nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dh mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

gVVk ,oa nfg;kVksyk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
सामोघाट (जामपानी)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला कु0 सकुन्तला धुर्वे वनरक्षक श्री चैनसिह श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाॅ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

ckdeq.Mukyk ¼ckdeq.Mukyk½

यह जलस्त्रोत tlrijh बीट के ग्राम tlrijh में कक्ष क्रमांक 850 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 15’ 02.2” E 80^0 51’ 59.5 ”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iwol Nk;kfp=

dk;l dk nkSjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

tlrijh

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
बाकमुण्डनाला (बाकमुण्डनाला)	श्री पंछीलाल मरकाम वनरक्षक श्री प्रभू यादव श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुँकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

xkSjhMcjk ukyk

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम f[kjlkMh में कक्ष क्रमांक 828 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 19' 53.7" E 80^0 53' 19.3 "** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dh nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dh mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

f[kjlkMh

LFkku dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
गौरीडबरा नाला	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे ा प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री लालमन श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुँकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाँ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

,uhdV ¼xkjhMcjk ukyk½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम f[kjlkMh में कक्ष क्रमांक 828 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N22^{0} 19’ 43.3” E 80^{0} 53’ 22.6”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। यहॉ पर पहले से स्टापडेम बना हुआ है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

f[kjlkMh

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tkou
,uhdV ¼xkjhMcjk ukyk½	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे ा प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री लालमन श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

iqfy;k LVki Mse ¼xkSjhMcjk ukyk½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम f[kjlkMh में कक्ष क्रमांक 828 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 19’ 51.7” E 80^{0} 53’ 20.3 ”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dk mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

f[kjlkMh

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
गौरीडबरा नाला	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे I प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री लालमन श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

HkyokVksyk ¼xkSjhMcjk ukyk½

यह जलस्त्रोत vkexgu बीट के ग्राम f[kjlkMh में कक्ष क्रमांक 828 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N22^{0} 19’ 36.5” E 80^{0} 53’ 18.1”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dh nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dh mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

f[kjlkMh

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
भलवाटोला (गौरीडबरा नाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री अवधे I प्रतापसिह झारिया वनरक्षक श्री लालमन श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे[illegible]ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

idjhikuh ¼ty L=kr½

यह जलस्त्रोत f[kjlkMh बीट के ग्राम fddjkeky में कक्ष क्रमांक 829 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 20’ 14.8 ” E 80^0 54’ 39.6 ”** है। इस जल स्त्रोत में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

ekSrhukyk ,oa fddjk ouxkze

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tksu
पकरीपानी (जल स्त्रोत)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री वि ो वर झारिया वनरक्षक श्री किरनसिह परते श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

l jbli r|jk ¼[kjk ukyk½

यह जलस्त्रोत vj.Mh बीट के ग्राम dqdjk में कक्ष क्रमांक 881 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 16’ 59.1” E 80^{0} 46’ 47.4”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iwo Nk;kfp=

dk;l d nkSjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkio

dqdjk ,o dVxVkyk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
झेनाबेहरा (झेनाबेहरा नाला)	श्री बी. एम. ि ाववं ाी प. स. गढी श्री हरिलाल धुर्वे वनरक्षक श्री रमे ा यादव श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाँ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

eMkukyk

यह जलस्त्रोत vkjeh बीट के ग्राम ekgjbZ में कक्ष क्रमांक 849 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 16' 16.9" E 80^{0} 52' 29.9 "** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

ekgjbZ ,oa MsejVksyk

LFky dk uke	ifj{ks= x<h cQj tksu
मेडोनाला	श्री प्रमोद वरकडे वनरक्षक श्री रमे ा सैयाम श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

ej|.Mk udku ¼vkloyk ?k|?kjkukyk½

यह जलस्त्रोत ijlkeÅ बीट के ग्राम ej|.Mk jktLo में कक्ष क्रमांक 872 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^{0} 18’ 05.3 ” E 80^{0} 50’ 28.8 ”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dl nkjku Nk;kfp=

dk;l dl mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xko

ej|.Mk jktLo ,oa ijlkeÅ

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
मुरेण्डानकान (ऑवलाघुघरानाला)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला श्री सुखलाल चौहान वनरक्षक श्री दसरू यादव श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे‍ि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

VoukiRFkjk ¼ukuf>fj;k ukyk½

यह जलस्त्रोत gVVk बीट के ग्राम iMjh में कक्ष क्रमांक 823 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22⁰ 21' 21.9" E 80⁰ 51' 36.3"** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z dk nkSjku Nk;kfp=

dk;Z dk mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

iMjh ,oa gVVk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
टेवनापत्थरा (नानझिरिया)	श्री सी. एल. केवट प. स. पाण्डुतला कु0 सकुन्तला धुर्वे वनरक्षक श्री चैनसिह श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुॅकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाॅ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

xkjh Mcjk ¼vkekukyk½

यह जलस्त्रोत Vkiyk बीट के ग्राम Vkiyk में कक्ष क्रमांक 861 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 13’ 43.4” E 80^0 53’ 08.0”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dl nkSjku Nk;kfp=

dk;l dl mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

Vkiyk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
गोरी डबरा (आमानाला)	श्री बी. एम. ि ावं ाी प. स. गढी श्री एस. के. धनगर वनरक्षक श्री ब्रजलाल मेरावी कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवेि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहॉ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

iVijkgh ¼pqgjhukyk½

यह जलस्त्रोत Vkiyk बीट के ग्राम Vkiyk में कक्ष क्रमांक 861 में स्थित है, जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग **N 22^0 14’ 15.8” E 80^0 53’ 21.6”** है। इस नाले में वर्श भर पानी रहता है। इस स्थान पर ग्रामीणों द्वारा निस्तार किया जाता है। ग्रामीणों की आवाजाही कम होती है, जिससे वन्यप्राणियों को पीने के पानी के लिये कोई अवरोध नही होगा।

dk;l iwoZ Nk;kfp=

dk;Z d nkSjku Nk;kfp=

dk;Z d mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

Vkiyk

LFky dk uke	ifj{k= x<h cQj tku
गोरी डबरा (आमानाला)	श्री बी. एम. ि ाववं ाी प. स. गढी श्री एस. के. धनगर वनरक्षक श्री ब्रजलाल मेरावी कूप श्रमिक

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग मवे ि ायों के पीने एवं ग्रामीणों द्वारा निस्तार हेतु किया जाता है। चुंकि यह नाला वनक्षेत्र मे होने के कारण यहाॅ वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

Mej ukyk

यह जलस्त्रोत ग्रामः– पनारीखेडा के पास बीटः– मोतीनाला के कक्ष क्रमांकः– 1418 में स्थित है। जिसका जी.पी.एस.रीडिंग N-22.21.46.1 E-80.54.07.5 है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

पनारीखेडा

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;wVh yxk;s x;s ifj{k= ekSrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2		4
डूमरनाला	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) कृष्णा/छत्तर अहीर	(4) कलावती/मानिक गौड
	श्री हेमन्तकुमार लोमश वनरक्षक बीटगार्ड मोतीनाला	(2) मानिक/विश्वनाथ गौड	(5) सुनीता/मुन्ना गौड
	श्री. दलसिह पन्द्रे समिति श्रमिक	(3) फूलवती/सुखराम गौड	(6) विश्वनाथ/मानसिह गौड
		(7) दलसिह/नन्हेसिह गौड	

cgjkukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम मुरकुटा के पास बीट मुरकुटा के कक्ष क्र. 1406 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 18' 49.1" E 80° 56' 40.5" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था। एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iwo Nk;kfp=

dk;l ds nkjku Nk;kfp=

dk;l ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkio

ejdqVk-Hkkbcguukyk

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk;s x;s ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
cgjkukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) वेदवती धुर्वे	(11) मुकेश कुमार कोर्चे
		(2) दयावती	(12) श्यामलाल विश्वकर्मा
	श्री चन्द्रसिह परस्ते वनरक्षक बीटगार्ड मुरकुटा	(3) बैजूसिह धुर्वे	(13) हेमलता धुर्वें
		(4) पूनम बंजारा	(14) होमवती
	श्री. राजेन्द्र परस्ते समिति श्रमिक	(5) राजेन्द्र परते	(15) लालसिह धूर्वे
		(6) दिलिप धुर्वे	(16) भुनेश्बर धूर्वे
		(7) मनीषकुमार	(17) तुलसी धुर्वे
		(8) मुकेश कुमार	(18) रोहित धुर्वे
		(9) माधुरी	(19) केसर धुर्वे

		(10) देवेन्द्र कोर्चे	(20) तेजूसिह कुशराम

QMl t ukyk

यह जलस्त्रोत ग्रामः– मालुमझौला के पास बीटः–मालुमझौला के कक्ष क्रमांकः– 1402 में स्थित है। जिसका जी.पी.एस.रीडिंग N-22.18.22.2 E-81.00.78.4 है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था। एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dk nkjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

मगरवाडा,बैला,मंगली,खुसीपार,मालुमझौला

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणों द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चूँकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	M;Vh yxk;s x;s ifj{k= eksrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
QMl t ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) राजकुमार/संपत	(6) सोनसिह/सियाराम
		(2) नरेन्द्रकुमार/पचलू	(7) अनूपकुमार/सम्मेलाल
	श्री मुकेशकुमार बरकडे वनरक्षक	(3) बोधन/आनंद	(8) लम्मन/मनोहर

	बीटगार्ड मालुमझौला	(4) नंदकुमार / सम्मेलाल	(9) महेशकुमार / हरेसिह
	श्री. सोनू बंजारा दै.वे.भो	(5) विजय / नन्हू	(10) दिनेशकुमार / भुपनासिह

cknjokMh i|y d mij

यह जलस्त्रोत ग्रामः– बांदरवाडी के पास बीटः–मंगली के कक्ष क्रंमाकः– 1400C में स्थित है। जिसका जी.पी.एस.रीडिंग N-22.17.24.1 E-81.01.12.4 है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था। एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l io Nk;kfp=

dk;l d nkjku Nk;kfp=

dk;l d mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xko

मंगली,बांदरवाडी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk; x; ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr InL;	
cknjokMh i|y d mij	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) देवनाथ	(11)गीता
		(2) कीर्तन	(12) इमला
	श्री आंनद कुमार भारतीया वनरक्षक बीटगार्ड मंगली	(3) भागवत	(13) विमला
		(4) महासिह	(14) सरस्वती
	श्री. भागवत मरकाम	(5) ईश्वर	(15) कृष्णाबाई
		(6) मायाराम	(16) लखन
		(7) दयाराम	(17) अमृत
		(8) धनीराम	(18) दिनेश
		(9) दुलार	(19) सूरत
		(10)भागवती	(20) लामू

eukjh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्रामः– मनोरी बीटः–मंगली के कक्ष क्रंमाकः– 1396 में स्थित है। जिसका जी.पी.एस. रीडिंग N-22.14.51.9 E-81.02.39.7 है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था। एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dl nkjku Nk;kfp=

dk;l dl mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xklo

मनोरी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk;l x;l ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
eukjh ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) सुखराम	(11) जगत
		(2) अंतराम	(12) मनीत
	श्री आंनद कुमार भारतीया वनरक्षक बीटगार्ड मंगली	(3) दौलत	(13) मालती
		(4) तितरा	(14) तिलबारिन
	श्री. भागवत मरकाम	(5) मनीता	(15) अनुपा
		(6) सुदरी	(16) बिसाही
		(7) कुवरिया	(17) मथुरा
		(8) सुमरित	(18) ममता
		(9) समली	(19) रजनी
		(10) जबाहर	(20) माया

eukjh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्रामः– मनोरी बीटः–मंगली के कक्ष क्रमांकः– 1396 में स्थित है। जिसका जी.पी.एस. रीडिंग N-22.14.51.9 E-81.02.39.7 है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था। एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iol Nk;kfp=

dk;l dk nkjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

मनोरी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk;s x;s ifj{k= ekfrhukyk	Lkfefr lnL;	
eukjh ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) सुखराम	(11) जगत
		(2) अंतराम	(12) मनीत
	श्री आंनद कुमार भारतीया वनरक्षक बीटगार्ड मंगली	(3) दौलत	(13) मालती
		(4) तितरा	(14) तिलबारिन
	श्री. भागवत मरकाम	(5) मनीता	(15) अनुपा
		(6) सुदरी	(16) बिसाही
		(7) कुवरिया	(17) मथुरा
		(8) सुमरित	(18) ममता
		(9) समली	(19) रजनी
		(10) जबाहर	(20) माया

eaxyh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम मंगली के पास बीट मंगली के कक्ष क्र. 1400 बी में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 17' 39.8" E 80° 00' 35.7" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

मंगली

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;wVh yxk;s x;s ifj{k= eksrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
eaxyh	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) कैलाश	(6) मनीराम
		(2) लामू	(7) धरमू
	श्री आंनद कुमार भारतीया वनरक्षक बीटगार्ड मंगली	(3) प्रहलाद	(8) सुखवतबाई
		(4) चरन	(9) नीरू
	श्री. भागवत मरकाम	(5) श्यामलाल	(10)बिलखीबाई

lucjk

यह जलस्त्रोत ग्राम–लुटरा के पास बीट भिमोरी के कक्ष क्र. 1393 बी में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 17' 20.5" E 81° 03' 57.6" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk; iwo Nk;kfp=

dk; ds nkjku Nk;kfp=

dk; ds mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xko

लुटरा,भिमोरी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk; x; ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
lucjk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) देवलाल	(6) जनताराम
		(2) गणेश	(7) राजाराम
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) भारत	(8) राजकुमारी
		(4) भारत	(9) सुमियाबाई
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) लीलाबाई	(10) भगत

phok?kqnh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम– चीवाघुंदी के पास बीट भिमोरी के कक्ष क्र. 1395 में स्थित है जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग 22° 17' 12.4" E 81° 02' 36.3" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z d s nkSjku Nk;kfp=

dk;Z d s mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

चीवाघुंदी

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk;s x;s ifj{ks= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
phok?kqnh ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) इतवारी	(6) सोमदास
		(2) सुदरलाल	(7) लक्ष्मण
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) पहर	(8) रामकली
		(4) करिया	(9) गोमती
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) संम्पत	(10) कलीबाई

noxko ukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम– देवगाव के पास बीट बैला के कक्ष क्र. 1385 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 18' 45.3" E 81° 06' 15.8" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;l iwo Nk;kfp=

dk;l dk nkjku Nk;kfp=

dk;l dk mijkr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

देवगांव

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;Vh yxk;s x;s ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
noxko ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) दशरथ	(6) सुक्खूसिह
		(2) विरसिह	(7) खिलावन
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) नवलसिह	(8) विसरू
		(4) बुध्दसिह	(9) कुवरसिह
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) फागूसिह	(10) दयावती

fdjkgh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम– देवगाव के पास बीट बैला के कक्ष क्र. 1386 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 18' 33.9" E 81° 06' 01.3" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkar Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao

देवगाव,चीतानचना

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;wVh yxk;s x;s ifj{ks= ekSrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
fdjkgh ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) दशरथ	(6) सुक्खूसिह
		(2) विरसिह	(7) खिलावन
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) नवलसिह	(8) विसरू
		(4) बुध्दसिह	(9) कुवरसिह
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) फागूसिह	(10) दयावती

f=o.kh ukyk

यह जलस्त्रोत ग्राम– हर्राटोला के पास बीट भिमोरी के कक्ष क्र. 1393 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग 22° 17' 59.8" E 81° 02' 40.1" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z d nkSjku Nk;kfp=

dk;Z d mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

हर्राटोला

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	M;wVh yxk;s x;s ifj{k= ekrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
f=o.kh ukyk	श्री अशोक पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) दयाराम	(6) गिरानी
		(2) गेदलाल	(7) खिलावन
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) चैतराम	(8) विसरू
		(4) विहारी	(9) कुवरसिह
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) संतोष	(10) दयावती

QMt ukyk¼dqdrhljbZ½

यह जलस्त्रोत ग्राम– कुकतीसरई के पास बीट भिमोरी के कक्ष क्र. 1387 में स्थित है जिसकी जी.पी. एस. रीडिंग 22° 17' 15.1" E 81° 06' 20.8" है। इस नाले में होली तक पानी रहता है। ग्रामीणो द्वारा इसी जलस्त्रोत से पीने के पानी का उपयोग किया जाता था।एवं वन्यप्राणी यहा पर पानी पीने हेतु आते हैं। यहां पर बोरी बंधान एवं आस–पास साफ–सफाई करने की आवश्यकता है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z ds nkSjku Nk;kfp=

dk;Z ds mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xzke

कुकतीसरई

ykHk

इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणो द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणो के निस्तार हेतु किया जाता है। चूकि यह नाला वनक्षेत्र में होने के कारण यहा वन्यप्राणी भी पानी पीने आते है।

LFky dk uke	MªkWV yxk;s x;s ifj{ks= eksrhukyk	Lkfefr lnL;	
1	2	3	
QMt ukyk ¼dqdrhljbZ½	श्री अश्क पडित परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला	(1) झंगलसिह	(6) छोटू
		(2) मिहीलाल	(7) रामदीन
	श्री वसंत कुमार पडवार वनरक्षक बीटगार्ड भिमोरी	(3) अरमीबाई	(8) मंगली
		(4) संतोषीबाई	(9) समनी
	श्री. मनोज सौलकी समिति श्रमिक	(5) रामलाल	(10) सुमन

vekghukyk % यह जलस्त्रोत ग्राम अतरिया के पास बीट चटुआखार के कक्ष क्र. 1437 में स्थित है जिसकी जी.पी.एस. रीडिंग N 22° 21' 14.8" E 80° 43' 55.5" है। इस नाले में वर्ष भर पानी रहता है। इसका मुख्य स्त्रोत आम के वृक्ष के नीचे होन के कारण इसका नाम अमाही नाल पड़ा है। इस जल स्त्रोत में पहले से बनाई गयी मेढ़ वारिस में टूटने एवं नीचे से पानी के रिसाव के कारण पानी नहीं रूक पाता था साथ ही इस जल स्त्रोत के पानी का उपयोग ग्रामीणों द्वारा पीने हेतु किया जाता है अतः मुख्य स्त्रोत की सफाई किया जाना भी आवश्यक है।

dk;Z iwoZ Nk;kfp=

dk;Z mijkUr Nk;kfp=

ykHkkfUor xkao % बर्राटोला, अतरिया, चटुआखार, भीमपुरी

ykHk % इस नाले के पानी का उपयोग ग्रामीणों द्वारा पीने हेतु उपयोग किया जाता है साथ ही मवेशियों के पीने एवं ग्रामीणों के निस्तार हेतु किया जाता है। चूंकि यह नाला वनक्षेत्र में होन के कारण यहां वन्यप्राणी भी पानी पीने आते हैं।

LFky dk uke	ifj{k= fl>kjk
अमाहीनाला, कक्ष क्र. 1437 (चटुआखार)	श्री देवकुमार उपाध्याय उपवनक्षेत्रपाल श्रीमति रोशनी उइके वनरक्षक चटुआखार श्री गुलाब श्रमिक श्री रामकुमार यादव श्रमिक श्री रामभरोस श्री मंशाराम श्री सहबू

जल संरक्षण अभियान
श्रमदान

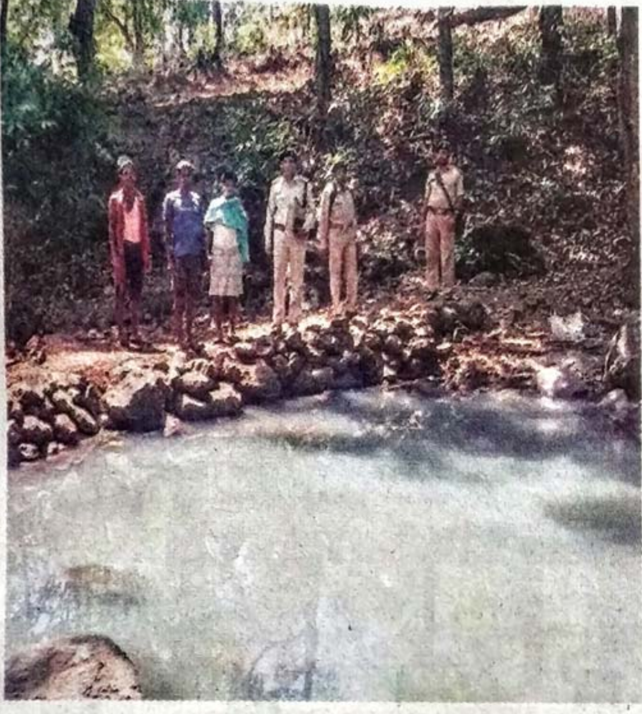

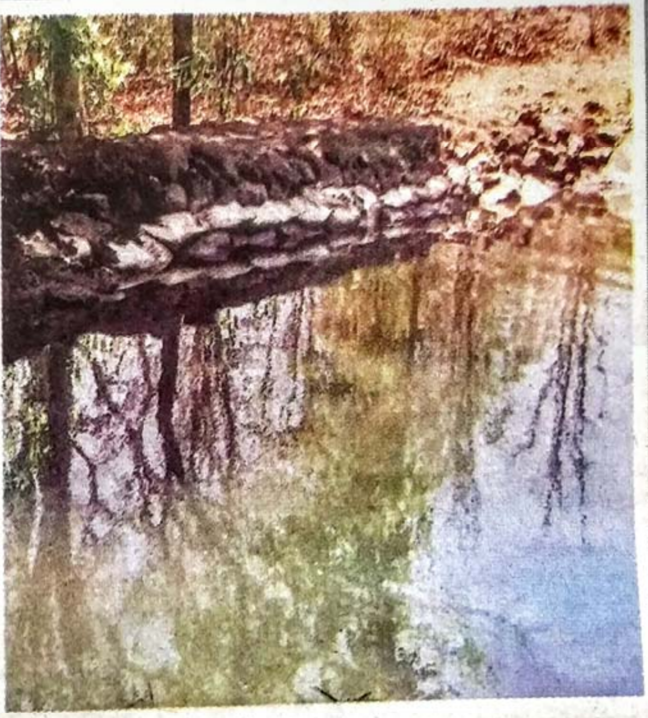

जंगल की लाईफ लाइन बन गए बंधान

नदी, नालों का संरक्षित पानी आ रहा काम, बफर ज़ोन में अब तक 65 बनाए स्ट्रक्चर

रत्नेश दुबे | मंडला

कान्हा के बफर जोन में ईको विकास समिति के श्रमदान से नदी, नालों पर बनाए गए बंधान, स्टापडेम जंगल की लाईफ लाईन बन गए हैं। बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज वनवासियों को निस्तार, मवेशी और वन्य प्राणियों की प्यास इन्हीं स्ट्रेक्चर में संरक्षित पानी से बुझ रही है। कान्हा प्रबंधन और वनवासियों के श्रमदान से अब तक 65 स्ट्रेक्चर बनाए जा चुके हैं इनमें कान्हा प्रबंधन ने कोई पैसा खर्च नहीं किया है।

जानकारी के मुताबिक मंडला जिले में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। पानी के लिए हाहाकार है निस्तार के लिए पानी नहीं मिल रहा है। कान्हा नेशनल पार्क के बफर जोन में भी जल संकट की स्थिति है यहां भी पेयजल स्त्रोत सूख रहे हैं ऐसे में कान्हा नेशनल पार्क प्रबंधन और समितियों के सहयोग से बनाए गए अस्थाई स्ट्रेक्चर में पानी वनवासियों, वन्य प्राणियों और मवेशियों के काम आ रहा है। बफर जोन में जंगल की लाईफ लाईन अस्थाई स्ट्रेक्चर बन गए हैं।

बताया गया है कि सिझौरा रेंज चटुआखार बीट के अमाही नाला में तीन बंधान तैयार किये गए हैं। जमुनाही नाला और डुमरझीला में बंधान किया गया है। इस बंधान से भीलपुरी, जैलवारा, चटुआखार, अतरिया के ग्रामीण निस्तार के लिए पानी उपयोग में ला रहे हैं यहीं मवेशियों को भी पानी मिल रहा है। वन्य प्राणी भी अपनी प्यास बुझा रहे हैं। उजर मरावी, तिहारी लाल मरावी बताते हैं कि हर साल निस्तार के लिए पानी नहीं मिलता था यहां बंधान होने से निस्तार और मवेशियों के लिए पानी की कोई समस्या नहीं है।

कुलौर नाला में बनाए गए मिट्टी के बंधान में मांझीपुर, जोगीसोढ़ा, खलौड़ी, चंदिया व आसपास के गांव का निस्तार चल रहा है। शिवकुमार उइके, रज्जू सिंह राजपूत, छत्तर सिंह राजपूत निवासी चंदिया ने बताया है कि नाला में बंधे बंधान के अलावा कोई दूसरा सहारा नहीं है यहां पानी नहीं होता तो मवेशी प्यासे मर जाते। निस्तार के लिए बूंद भर पानी नसीब नहीं होता।

सिझौरा रेंज के नदी, नालों में 17 बंधान किये गए हैं इनमें पर्याप्त पानी है। जंगल के बीच बफर जोन में निवास कर रहे वनवासियों को अस्थाई बंधान, स्टापडेम का महत्व समझ आ गया है। भीषण गर्मी के दौर में पानी के लिए नहीं भटकना पड़ रहा है। अब हर साल वनवासी से वन विभाग के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा अस्थाई बंधान करेंगे जिससे जल संरक्षण के साथ वन्य प्राणी, मवेशियों की प्यास बुझेगी। वनवासियों को भी पानी के लिए नही भटकना पड़ेगा।

काम आ रहा प्रयास

कान्हा प्रबंधन ने कम बारिश के चलते हालात को देखते हुए दिसंबर 2015 से जल संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाई जिसमें बफर जोन के नदी, नालों में पानी रोकने के लिए अस्थाई बंधान की तैयारी की गई। बफर जोन के वन अमले और अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर जल संरक्षण का महत्व बताया। नदी, नालों में मिट्टी, पत्थर, बांस, बोरी, रेत के बंधान बांधे गए। भीषण गर्मी के दौर में जल संरक्षण के लिए किया गया प्रयास अब काम आ रहा है जो नदी, नाले अप्रैल माह में दम तोड़ देते थे इनमें जून तक पानी रहेगा। वनवासियों को निस्तार के लिए पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा।

शिकार की घटनाएं कम

बताया गया है कि नदी, नालों में पानी न होने के कारण वन्य प्राणी भटक कर बफर से बाहर चले जाते थे जिसमें शिकार की संभावनाएं अधिक रहती थी। चीतल व अन्य शाकाहारी वन्य प्राणियों को आसानी से शिकार बना लिया जाता था। बफर जोन में पानी होने के कारण वन्य प्राणी नहीं भटक रहे जिससे शिकार की घटनाएं सामने नहीं आ रही हैं।

65 स्ट्रक्चर अस्थाई खर्च किये गए हैं जिनमें बजट खर्च नहीं हुआ है। श्रमदान से बंधान किया गया है, भीषण गर्मी के दौर में बफर जोन के ग्रामीण, मवेशियों और वन्य प्राणियों के लिए पानी मिल रहा है।

रिपुदमन सिंह,
उपसंचालक, बफर जोन,कान्हा

वन विभाग ने जल संरक्षण के लिए जागरूक किया, समितियों ने श्रमदान किया, इसका लाभ अब मिल रहा है, निस्तार, मवेशियों और वन्य प्राणियों के लिए नदी, नालों में पानी है।"

प्रेमलाल मरावी,
अध्यक्ष, ईको विकास समिति, अतरिया